Publication: The Economic Times **Date: Thursday,08th October, 2015**

Edition: Delhi

बैंकों के जरिए बीमा प्रॉडक्ट्स की बिक्री को लग सकता है झटका

शिल्पी सिन्हा | मुंबई |

बैंकएश्योरेंस यानी बैंकों के जरिए इंश्योरेंस प्रॉडक्ट्स की बिक्री को झटका लग सकता है। इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डिवेलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने संकेत दिया है कि बैंक जो पॉलिसी बेचेंगे, उनमें किसी भी गड़बड़ी के लिए उन्हें जिम्मेदारी लेनी होगी। इसे देखते हुए बैंक हो सकता है कि इंश्योरेंस प्रॉडक्ट्स के मास डिस्ट्रीब्यूटर बनना पसंद न करें। फिर कड़े नियमों और जुर्माने के डर से भी बैंक ऐसी डील्स से बचना चाहेंगे।

स्टार यूनियन दाइची लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ गिरीश कुलकर्णी ने कहा, 'इरडा तो बेहतर निगरानी और अनुशासन सुनिश्चित करना चाहता है। अगर कस्टमर की शिकायतों की जिम्मेदारी बैंकों पर आती है तो बैंकों के लिए इसका मतलब यह है कि उन्हें इंश्योरेंस पार्टनर्स के साथ रिश्तों में ज्यादा भरोसा और गंभीरता सुनिश्चित करनी होगी।' उन्होंने कहा, 'इससे बैंक बीमा कंपनियों के साथ केवल डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनरशिप्स करने से बचना चाहेंगे। बैंक हो सकता है कि इक्विटी पार्टनर बनना चाहें ताकि सिस्टम पर उनका बेहतर कंट्रोल हो सके।'

इरडा ने संकेत दिया है कि बैंकिंग चैनल से बीमा प्रॉडक्ट्स की किसी भी मिस-सेलिंग के लिए बैंकों को बनाया जाएगा जवाबदेह

हालांकि हो सकता है कि बैंक इक्विटी पार्टनरशिप के लिए ऊंचे वैल्यूएशन की मांग करें। इससे बीमा कंपनियां बिदक सकती हैं। बीमा कंपनियां दरअसल अपने प्रॉडक्ट्स बेचने के लिए बैंकों से हाथ मिलाती हैं क्योंकि यह डिस्ट्रीब्यूशन का कम लागत वाला चैनल है और इससे उन्हें कहीं बड़े कस्टमर बेस तक एक्सेस मिलती है। हाल में पंजाब नेशनल बैंक और मेटलाइफ ने हाथ मिलाया है। इंडसइंड बैंक का अथीया के साथ कॉरपोरेट टाई-अप है, जिसका रिन्यूअल होना है।

इंडियन ओवरसीज बैंक, सिंडिकेट बैंक, सेंट्रल बैंक, इलाहाबाद बैंक और यूको बैंक सहित कई बैंकों ने इक्विटी पार्टनरशिप नहीं की है। इरडा के चेयरमैन टी एस विजयन ने कहा था कि बैंकों को उनके जरिए बेचने वाले बीमा प्रॉडक्ट्स के लिए जवाबदेह बनाया जाएगा। अभी बैंकिंग चैनल से ऐसे प्रॉडक्ट्स की किसी भी मिस-सेलिंग के लिए बीमा कंपनियों को ही जवाबदेह माना जाता है। इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ आर एम विशाखा ने कहा, 'जवाबदेही तय होने से मिस-सेलिंग की घटनाओं पर लगाम कसेगी। रेगुलेटर जवाबदेही की बात को ज्यादा साफ बना रहा है।' कुछ साल पहले एक न्यूज पोर्टल ने एक स्टिंग ऑपरेशन में दिखाया था कि पब्लिक और प्राइवेट, दोनों सेक्टर्स के बैंक बीमा प्रॉडक्ट्स बेचने के लिए कस्टमर्स को गुमराह कर रहे थे। इरडा के मुताबिक, 2013-14 में टोटल इंडिविजुअल न्यू इंश्योरेंस बिजनेस में बैंकों का हिस्सा 15.62 पर्सेंट रहा।